

2. **Trained Graduate Teachers (TGT)**

**SCHEME OF EXAMINATION -**

(1) **Written Test-** There will be a written examination of 200 marks. Question paper will consist multiple choice objective questions in two parts as per the following:-

Part	Subject	Maximum No. of Questions	Maximum No. of Marks	Minimum Qualifying Marks (Subject wise) (40%)	Minimum Qualifying marks (Aggregate) (45%)	Duration of examination
Part-I	English	20	20	8	18	3 Hours
	Hindi/ Medium of instruction of school	20	20	8		
Part-II	Current Affairs	20	20	NA	NA	
	Reasoning & Numerical Ability	20	20	NA	NA	
	Concerned subject	120	120	NA	NA	

Note-

- (i) Part -II of the question paper of the candidate will be evaluated only if he/she qualifies in Part-I.
- (2) The merit will be based only on the basis of performance in Written Test

(2) **Teaching Skill Test-** Candidates to be called on the basis of merit in written test in the ratio of 1:5. The Teaching Skill Test will be of qualifying nature only. The Teaching skill of the candidates will be assessed in the following parameters/areas:-

- (a) Communication Skills
- (b) Teaching Methodology

**Note-** Only CTET/State TET pass candidates will be allowed to apply as per recruitment rules.

### TGT Hindi

हिन्दी साहित्य का इतिहास—आदिकाल, भक्तिकाल, (संत काव्य, सूफी काव्य, रामकाव्य, कृष्ण काव्य) शैतिकाल, आधुनिक काल, भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता। हिन्दी गद्य साहित्य का विकास—निबन्ध, नाटक उपन्यास, कहानी, हिन्दी गद्य की लघु विधाएँ—जीवनी, आत्मकथा, सस्मरण रेखा चित्र, यात्रा साहित्य, गद्यकाव्य व्यंग्य।

हिन्दी के रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ  
काव्य के भेद रस—अवयव भेद, छन्द, अलंकार, शब्दालंकार, अर्थालंकार, काव्यगुण, काव्य दोष।  
हिन्दी की बोलियाँ, विभाषाएँ, हिन्दी की शब्द सम्पदा, हिन्दी की ध्वनियाँ देवनागरी लिपि नामकरण, विकास विशेषताएँ, त्रुटियाँ सुधार के प्रयत्न।

व्याकरण, लिंग वचन, कारक, सन्धि, समास, वर्तनी, वाक्य, शुद्धिकरण, शब्द रूप—पर्यायवाची, विलोम, श्रुति समभिन्नार्थक शब्द, वाक्यों के लिए एक शब्द, मुहावरा, लोकोक्ति, निबंध/अनुच्छेद लेखन, आपेदन/पत्र लेखन अथवा संवाद लेखन।

संस्कृत साहित्य—

- (क) संस्कृत के प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ, कालिदास, भवभूति, भारवि, माघ, दण्डी, श्रीहर्ष।
- (ख) सन्धि—स्वर एवं व्यंजन सन्धि, समास, शब्द रूप, धातु रूप कारक प्रयोग।
- (ग) अनुवाद

TGT STATE LANGUAGE (TAMIL/TELUGU/BANGLA/MARATHI ETC.)-  
SYLLABUS WILL BE MADE LOCALLY AT FACTORY LEVEL AS PER THE ABOVE  
GUIDELINES.

\*\*\*\*\*